This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1592**

Unique Paper Code : **213206** **D**

Name of the Paper : **Paper VI (Self Management in the Gita)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 5×7=35

Explain the following :

(क) इन्द्रियाणि मनो बुद्धिरस्याऽधिष्ठानमुच्यते।

एतैर्विमोहयत्येष ज्ञानमावृत्य देहिनम्॥

अथवा

(*Or*)

इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते।

तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि॥

P.T.O.

(ख) वेदानां सामवेदोऽस्मि देवानामस्मि वासवः।

इन्द्रियाणां मनश्चास्मि भूतानामस्मि चेतना॥

अथवा

(Or)

भूमिरापोऽनलो वायुः खं मनो बुद्धिरेव च।

अहंकार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा॥

(ग) नाहं वेदैर्न तपसा न दानेन न चेज्यया।

शक्य एवंविधो द्रष्टुं दृष्टवानसि मां यथा॥

अथवा

(Or)

ये चैव सात्त्विका भावा राजसास्तामसाश्च ये।

मत्त एवेति तान्विद्धि न त्वहं तेषु ते मयि॥

(घ) प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान्।

आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते॥

अथवा

(Or)

प्रशान्तात्मा विगतभीर्ब्रह्मचारिव्रते स्थितः।

मनः संयम्य मच्चित्तो युक्त आसीत मत्परः॥

(ङ) यतो यतो निश्चलति मनश्चंचलमस्थिरम्।

ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत्॥

अथवा

(*Or*)

ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति।

भ्रामयन्सर्वभूतानि यन्त्रारूढानि मायया॥

2. 'आत्मप्रबन्धन' से आप क्या समझते हैं ? गीता के अनुसार आत्मनियन्त्रण की प्रक्रिया में मन तथा बुद्धि की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। 11

What do you understand by 'self-management' ? Explain the role of mind and intellect in the process of controlling the self according to the Gita.

अथवा

(*Or*)

गीता के सन्दर्भ में 'आत्मप्रबन्धन' की मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि की समीक्षा कीजिए।

Examine critically the psychological background of 'self-management' in the context of the Gita.

3. गीता के अनुसार कर्म के स्वरूप और इसके कारणों पर प्रकाश डालिए। 11

Describe the nature of action and its causes according to the Gita.

अथवा

(*Or*)

गीता के अनुसार 'परमात्मभक्ति' पर एक लेख लिखिए।

Write an essay on 'devotion to God' according to the Gita.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 3×6=18

(*i*) त्रिगुणात्मक सृष्टि

(*ii*) आहार शुद्धि

(*iii*) योगाभ्यास

(*iv*) परमात्मशरण

(*v*) मानसिक द्वन्द्व

(*vi*) आदर्श आचरण।

Write short notes on any *three* of the following :

(*i*) Threefold creation

(*ii*) Purity of food

(*iii*) Practice of Yoga

(*iv*) Shelter of God

(*v*) Mental conflicts

(*vi*) Model conduct.

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1592**

Unique Paper Code : **213206** **D**

Name of the Paper : **Paper VI (Self Management in the Gita)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 5×7=35

Explain the following :

(क) इन्द्रियाणि मनो बुद्धिरस्याऽधिष्ठानमुच्यते।

एतैर्विमोहयत्येष ज्ञानमावृत्य देहिनम्॥

अथवा

(*Or*)

इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते।

तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि॥

(ख) वेदानां सामवेदोऽस्मि देवानामस्मि वासवः।

इन्द्रियाणां मनश्चास्मि भूतानामस्मि चेतना॥

अथवा

(Or)

भूमिरापोऽनलो वायुः खं मनो बुद्धिरेव च।

अहंकार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा॥

(ग) नाहं वेदैर्न तपसा न दानेन न चेज्यया।

शक्य एवंविधो द्रष्टुं दृष्टवानसि मां यथा॥

अथवा

(Or)

ये चैव सात्त्विका भावा राजसास्तामसाश्च ये।

मत्त एवेति तान्विद्धि न त्वहं तेषु ते मयि॥

(घ) प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान्।

आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते॥

अथवा

(Or)

प्रशान्तात्मा विगतभीर्ब्रह्मचारिव्रते स्थितः।

मनः संयम्य मच्चित्तो युक्त आसीत मत्परः॥

(ङ) यतो यतो निश्चलति मनश्चंचलमस्थिरम्।

ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत्॥

अथवा

(*Or*)

ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति।

भ्रामयन्सर्वभूतानि यन्त्रारूढानि मायया॥

2. 'आत्मप्रबन्धन' से आप क्या समझते हैं ? गीता के अनुसार आत्मनियन्त्रण की प्रक्रिया में मन तथा बुद्धि की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। 11

What do you understand by 'self-management' ? Explain the role of mind and intellect in the process of controlling the self according to the Gita.

अथवा

(*Or*)

गीता के सन्दर्भ में 'आत्मप्रबन्धन' की मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि की समीक्षा कीजिए।

Examine critically the psychological background of 'self-management' in the context of the Gita.

3. गीता के अनुसार कर्म के स्वरूप और इसके कारणों पर प्रकाश डालिए। 11

Describe the nature of action and its causes according to the Gita.

अथवा

(*Or*)

गीता के अनुसार 'परमात्मभक्ति' पर एक लेख लिखिए।

Write an essay on 'devotion to God' according to the Gita.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 3×6=18

(*i*) त्रिगुणात्मक सृष्टि

(*ii*) आहार शुद्धि

(*iii*) योगाभ्यास

(*iv*) परमात्मशरण

(*v*) मानसिक द्वन्द्व

(*vi*) आदर्श आचरण।

Write short notes on any *three* of the following :

(*i*) Threefold creation

(*ii*) Purity of food

(*iii*) Practice of Yoga

(*iv*) Shelter of God

(*v*) Mental conflicts

(*vi*) Model conduct.